UPHIN 47963

कानपुर

प्रगति प्रभात

कानपुर, गुरूवार, 08 दिसंबर 2022

पांच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण उपरांत वितरित किए गए प्रमाण पत्र

कानपुर। सीएसए द्वारा संचालित कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय परिसर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर पांच दिवसीय फसल अवशेष प्रबंधन योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण का समापन किया गया। यह प्रशिक्षण दिनांक 02 नवंबर को प्रारंभ किया गया था इस प्रशिक्षण में कुल 25 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रतिभाग किया। यह सभी प्रशिक्षणार्थी विकासखंड भरथना के मुबारकपुर गांव के रहने वाले हैं इस प्रशिक्षण में किसानों को धान फसल की पराली न जलाने के लिए प्रेरित किया गया। उपस्थित सभी प्रशिक्षणार्थियों ने न फसल अवशेष जलाएंगे न जलाने देंगे जैसे नारे लगाकर आवाज बुलंद की। प्रशिक्षण में कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ एमके सिंह ने किसानों को समय से गेहूं बुवाई करने तथा खरपतवार प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दिया तथा इस कार्यक्रम के आयोजक डॉ विजय बहादुर जयसवाल ने गांव किसानों को सुपर सीडर तथा मल्चर का उपयोग को बताया। उन्होंने बताया की कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा लगातार किसानों को जागरूक किया जा रहा है जिससे पराली न जलाने के एक भी केस नहीं हुए हैं। डॉ राजेश राय एवं डॉक्टर भूपेंद्र सिंह ने किसानों को पराली का उपयोग सब्जी की फसल वह प्राकृतिक खेती में कैसे करें इसके बारे में जानकारी दी। उन्होंने किसानों को पराली के भूसे द्वारा मशरूम की खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जागरूक किया तथा किसानों को पराली से वर्मी कंपोस्ट वह नाडेप कंपोस्ट बनाने की विधि को विस्तार से बताया व अंत में किसानों को प्रमाण पत्र वितरण कर इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक समापन किया गया। इस अवसर पर किसानों ने हाथ उठाकर पराली न जलाने की शपथ भी ली।

पांच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण उपरांत वितरित किए गए प्रमाण पत्र

कानपुर । सीएसए द्वारा संचालित कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय परिसर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर पांच दिवसीय फसल अवशेष प्रबंधन योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण का समापन किया गया। यह प्रशिक्षण दिनांक 02 नवंबर को प्रारंभ किया गया था इस प्रशिक्षण में कुल 25 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रतिभाग किया। यह सभी प्रशिक्षणार्थी विकासखंड भरथना के मुबारकपुर गांव

के रहने वाले हैं इस प्रशिक्षण में किसानों को धान फसल की पराली न जलाने के लिए प्रेरित किया गया। उपस्थित सभी प्रशिक्षणार्थियों ने न फसल अवशेष जलाएंगे न जलाने देंगे जैसे नारे लगाकर आवाज बुलंद की। प्रशिक्षण में कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ एमके सिंह ने किसानों को समय से गेहूं बुवाई करने तथा खरपतवार प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दिया तथा इस कार्यक्रम के आयोजक डॉ विजय बहादुर जयसवाल ने गांव किसानों को सुपर सीडर तथा मल्चर का उपयोग को बताया। उन्होंने बताया की कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा लगातार किसानों को जागरूक किया जा रहा है जिससे पराली न जलाने के एक भी केस नहीं हुए हैं। डॉ राजेश राय एवं डॉक्टर भूपेंद्र सिंह ने किसानों को पराली का उपयोग सब्जी की फसल वह प्राकृतिक खेती में कैसे करें इसके बारे में जानकारी दी। उन्होंने किसानों को पराली के भूसे द्वारा मशरूम की खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जागरूक किया तथा किसानों को पराली से वर्मी कंपोस्ट वह नाडेप कंपोस्ट बनाने की विधि को विस्तार से बताया व अंत में किसानों को प्रमाण पत्र वितरण कर इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक समापन किया गया। इस अवसर पर किसानों ने हाथ उठाकर पराली न जलाने की शपथ भी ली।

वर्ष 16 अंक 334 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, गुरूवार 08 दिसम्बर 2022

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित

दैनिक नगर छाया

RNI N.UPHIN/2007/27090

आप की आवाज़.....

www.nagarchhaya.com

पांच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण उपरांत वितरित किए गए प्रमाण पत्र

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा संचालित कृषि अभिकंडण महाविद्यालय परिसर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर आज पांच दिवसीय फसल अवशेष प्रबंधन योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण का समापन किया गया। यह प्रशिक्षण दिनांक 02 नवंबर 2022 को प्रारंभ किया गया था इस प्रशिक्षण में कुल 25 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रतिभाग किया। यह सभी प्रतिभागी विकासखंड भरवना के मुबारकपुर गांव के रहने वाले हैं इस प्रशिक्षण में किसानों को धान फसल की पराली न जलाने के लिए प्रेरित किया गया। उपस्थित सभी प्रशिक्षणार्थियों ने न फसल अवशेष जलाएंगे न जलाने देंगे जैसे नारे लगाकर आयाम बुलंद की। प्रशिक्षण में कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ एमके सिंह ने किसानों को समय से गेहूं बुवाई करने तथा खरपतवार प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दिया तथा इस कार्यक्रम के आयोजक डॉ विजय बहादुर जयसवाल ने धान किसानों को सुपर सीडर तथा मल्चर का उपयोग को बताया। उन्होंने बताया की कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा लगातार किसानों को जागरूक किया जा रहा है जिससे पराली न जलाने के एक भी केस नहीं हुए हैं। डॉ राजेश राय एवं डॉक्टर भूपेंद्र सिंह ने किसानों को पराली का उपयोग मक्की की फसल यह प्राकृतिक खेती में कैसे करें इसके बारे में जानकारी दी। उन्होंने किसानों को पराली के भूसे द्वारा मशरूम की खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जागरूक किया तथा किसानों को पराली से वर्मी कंपोस्ट यह नाडेप कंपोस्ट बनाने की विधि को विस्तार से बताया व अंत में किसानों को प्रमाण पत्र वितरण कर इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक समापन किया गया। इस अवसर पर किसानों ने हाथ उठाकर पराली न जलाने की शपथ भी ली।

फसल अवशेष परियोजना अंतर्गत पांच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण उपरांत वितरित हुए प्रमाण पत्र

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा संचालित कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय परिसर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर आज पांच दिवसीय फसल अवशेष प्रबंधन योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण का समापन किया गया। यह प्रशिक्षण दिनांक 02 नवंबर 2022 को प्रारंभ किया गया था इस प्रशिक्षण में कुल 25 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रतिभाग किया। यह सभी प्रशिक्षणार्थी विकासखंड भरथना के मुबारकपुर गांव के रहने वाले हैं इस प्रशिक्षण में किसानों को धान फसल की पराली न जलाने के लिए प्रेरित किया गया। उपस्थित सभी प्रशिक्षणार्थियों ने न फसल अवशेष जलाएंगे न जलाने देंगे जैसे नारे लगाकर आवाज बुलंद की। प्रशिक्षण में कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ एमके सिंह ने किसानों को समय से गेहूं बुवाई करने तथा खरपतवार प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दिया तथा इस कार्यक्रम के आयोजक डा. विजय बहादुर जयसवाल ने गांव किसानों को सुपर सीडर तथा मल्चर का उपयोग को बताया। उन्होंने बताया की कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा लगातार किसानों को जागरूक किया जा रहा है जिससे पराली न जलाने के एक भी केस नहीं हुए हैं। डा.राजेश राय एवं डॉक्टर भूपेंद्र सिंह ने किसानों को पराली का

उपयोग सब्जी की फसल वह प्राकृतिक खेती में कैसे करें इसके बारे में जानकारी दी। उन्होंने किसानों को पराली के भूसे द्वारा मशरूम की खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जागरूक किया तथा किसानों को पराली से वर्मी कंपोस्ट वह नाडेप कंपोस्ट बनाने की विधि को विस्तार से बताया व अंत में किसानों को प्रमाण पत्र वितरण कर इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक समापन किया गया। इस अवसर पर किसानों ने हाथ उठाकर पराली न जलाने की शपथ भी ली।

कानपुर में 26 दिन बंद रहेंगी टेनरियां

कानपुर। पौष पूर्णिमा से लेकर महाशिवरात्रि तक कानपुर नगर में 26 दिनों तक टेनरियां व गंगा में प्रदूषण फैलाने वाले अन्य उद्योग बंद रहेंगे या रोस्टर से चलाए जाएंगे। इनकी निगरानी के लिए डीएम विशाख जी अय्यर ने आठ टीमें बनाई हैं। यह टीमें जनवरी व फरवरी में पड़ने वाले छह पर्वों से पूर्व व इसके दौरान निगरानी करेंगी। पौष पूर्णिमा पर 3 जनवरी से लेकर 6 जनवरी तक, मकर संक्रांति पर 11 जनवरी से लेकर 15 जनवरी तक, मौनी अमावस्या पर 18 जनवरी से लेकर 21 जनवरी तक, बसंत पंचमी पर 23 जनवरी से 26 जनवरी तक, माघी पूर्णिमा पर 02 फरवरी से लेकर 05 फरवरी तक और महाशिवरात्रि पर 15 से लेकर 18 फरवरी तक प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयां बंद रहेंगी। डीएम ने स्पष्ट किया है कि अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने इस बाबत दिशा निर्देश दिए हैं। इसके माध्यम से गंगा नदी के पानी की अपेक्षित शुद्धता केक लिए निगरानी का निर्णय लिया गया है। जो इकाइयां निर्देशों का पालन नहीं करेंगी।

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

15 साल बाद एमसीडी की सत्ता से भाजपा... 12

मेरठ में मनाया गया सशस्त्र सेना झण्डा दिवस 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 14 | अंक: 58
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12
गुरुवार | 08 दिसंबर, 2022

प्रशिक्षण : किसानों को धान फसल की पराली न जलाने के लिए किया प्रेरित

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय परिसर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर बुधवार को पांच दिवसीय फसल अवशेष प्रबंधन योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण का समापन हुआ। 2 नवंबर को शुरू हुए इस प्रशिक्षण में कुल 25 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को धान फसल की पराली न जलाने के लिए प्रेरित किया गया। प्रशिक्षण में कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.एम.के.सिंह ने किसानों को समय से गेहूं बुवाई करने तथा खरपतवार प्रबंधन के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के आयोजक डॉ.विजय बहादुर जयसवाल ने किसानों को सुपर सीडर तथा मल्चर का उपयोग करने की जानकारी दी। उन्होंने बताया की कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा लगातार किसानों को जागरूक किया जा रहा है जिससे पराली न जलाने के एक भी केस नहीं हुए हैं। डॉ.राजेश राय एवं डॉ. भूपेंद्र सिंह ने किसानों को पराली का उपयोग सब्जी की फसल और प्राकृतिक खेती में करने की जानकारी दी। उन्होंने किसानों को पराली के भूसे द्वारा मशरूम की खेती को बढ़ावा देने के लिए जागरूक किया तथा किसानों को पराली से वर्मी कंपोस्ट वह नाडेप कंपोस्ट बनाने की विधि बताई। समापन अवसर पर किसानों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।